भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2241
15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेदिक दवाओं के संबंध में अनुसंधान तथा नैदानिक परीक्षण

2241. श्री राजन बाबूराव विचारे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गंभीर बीमारियों के लिए सरकार द्वारा नियंत्रित प्रयोगशालाओं के माध्यम से नई आयुर्वेदिक दवाओं और नैदानिक परीक्षणों के विकास पर अनुसंधान करने के लिए पर्याप्त उपाय आरंभ कर दिए हैं;
(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उन बीमारियों, जिनके लिए प्रभावी दवाएं विकसित की गई हैं, सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या ऐसे नैदानिक परीक्षणों ने बाजार में उपलब्ध होने से पहले इन दवाओं की प्रभावशीलता की पुष्टि की है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हां। आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद में वैज्ञानिक तर्ज पर अनुसंधान करने, उसका समन्वय, निरूपण, विकास और संवर्धन करने के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्थापना की है। ये गतिविधियां पूरे भारत में स्थित 30 संस्थानों/केंद्रों/इकाइयों के जरिए और विभिन्न विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अध्ययनों के माध्यम से चलाई जाती हैं। परिषद की अनुसंधान गतिविधियों में औषधीय पादप अनुसंधान (मेडिको-एथनो, वानस्पतिक सर्वेक्षण, फार्माकोग्नोसी और टिश्यू कल्चर), औषधि मानकीकरण, औषधीय अनुसंधान, नैदानिक अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान और प्रलेखन तथा अन्य आउटरीच गतिविधियां शामिल हैं।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, शास्त्रीय आयुर्वेदिक फार्मूलेशनों के प्रमाणीकरण और नई आयुर्वेदिक औषधियों के विकास के लिए भी नैदानिक परीक्षण कर रही है जिसके लिए आवश्यकतानुसार प्रचलित दिशानिर्देशों यथा एएसयू औषधियों हेतु उत्तम नैदानिक पद्धतियों संबंधी दिशानिर्देश (जीसीपी-एएसयू), आयुष मंत्रालय और जैव-चिकित्सा अनुसंधान (आईसीएमआर) के लिए नैतिकता दिशानिर्देश, पारंपरिक औषधियों हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देश आदि को अपनाया जा रहा है।

अपनी स्थापना के बाद से परिषद ने औषधि विकास प्रक्रिया के जरिए विभिन्न आयुर्वेदिक औषधियों का विकास किया है। औषधि विकास एक सतत् प्रक्रिया है और इसमें सामग्री/फार्मूलेशनों के मानकीकरण, सुरक्षा/विषाक्तता अध्ययन जैसे विभिन्न चरणों के माध्यम से लगभग 5-7 वर्ष लगते हैं और इसके बाद नैदानिक अध्ययन किए जाते हैं। डेटा का संकलन और नई विकसित औषधि का व्यावसायीकरण का ब्यौरा **संलग्नक-1** में दिया गया है।

(ख): पिछले तीन वर्षों में सीसीआरएएस निम्नलिखित बीमारियों के लिए विभिन्न आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन विकसित करने की प्रक्रिया में है जैसे: डेंगू, माइग्रेन, कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार, बच्चों में मानसिक मंदता, वृद्धावस्था स्वास्थ्य, कंजक्टिवाइटिस, कैंसर, मधुमेह, अस्थमा, फाइलेरिया, व्यावसायिक तनाव, एंटी ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी, नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लीवर रोग, प्रसवपूर्व देखभाल (एनीमिया), प्रसवपूर्व देखभाल (एडिमा), मलेरिया/हल्के से मध्यम कोविड-19. ब्यौरा **संलग्नक-2** में दिया गया है।

(ग) से (ङ): जी हां। केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, शास्त्रीय आयुर्वेदिक फार्मूलेशनों के प्रमाणीकरण और नई आयुर्वेदिक औषधियों के विकास के लिए भी नैदानिक परीक्षण कर रही है जिसके लिए आवश्यकतानुसार प्रचलित दिशानिर्देशों को अपनाया जा रहा है जैसे औषधीय पादपों (कच्ची औषधियों) के संग्रह हेतु उत्तम संग्रहण, प्रसंस्करण और भंडारण पद्धतियां, उत्तम विनिर्माण पद्धतियां (जीएमपी), गुणवत्तायुक्त औषधियों के निर्माण हेतु मानक प्रचालन प्रक्रियाएं, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार कच्ची औषधियों के विकास हेतु नैदानिक-पूर्व अध्ययन करना, आईसीएमआर की

क्लिनिकल ट्रायल रजिस्ट्री ऑफ इंडिया (सीटीआरआई) में नैदानिक परीक्षणों का पंजीकरण, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी औषधियों (जीसीपी-एएसयू) हेतु उत्तम नैदानिक पद्धतियों संबंधी दिशानिर्देश, आयुष मंत्रालय और जैव-चिकित्सा अनुसंधान (आईसीएमआर) के लिए नैतिक दिशानिर्देश तथा पारंपरिक औषधियों के लिए डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश आदि।

*****

संलग्नक-1

अपनी स्थापना के बाद से सीसीआरएएस द्वारा विकसित कुछ महत्वपूर्ण औषधियों की सूची

क्र.सं.	औषधि का नाम	संकेत
1.	आयुष-64	(i) मलेरिया (ii) हल्के से मध्यम कोविड-19
2.	आयुष-56	मिरगी
3.	आयुष-82	डाइबिटीज मेलिटस
4.	निम्बातिक्तम	सोरायसिस और डियोडिनल संबंधी अल्सर
5.	आयुष पोषक योग और पेय	इम्यूनोमॉड्यूलेटरी, एंटीस्ट्रेस और जनरल हेल्थ प्रमोशन
6.	शुंठी गुग्गुलु	रूमेटाइड अर्थराइटिस (आमवात)
7.	क्षारसूत्र	एनो रेक्टल विकार
8.	आयुष बालरसायन	बच्चों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
9.	आयुष घुट्टी	बच्चों में दस्त और बुखार की रोकथाम
10.	आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन	प्रसवपूर्व देखभाल

संलग्नक-2

पिछले तीन वर्षों के दौरान सीसीआरएएस द्वारा विकसित की जा रही औषधियां

औषधि मानकीकरण के तहत औषधियों के नाम	नैदानिक-पूर्व सुरक्षा विषाक्तता अध्ययन के अधीन औषधियों के नाम	नैदानिक अध्ययन के अधीन औषधियों के नाम	नैदानिक अध्ययन पूरी कर चुकी औषधियों के नाम
1. आयुष-मानस आयुष – एजी आयुष – पीजी	1. आयुष – एचआर	1. आयुष – एम3 – माइग्रेन और उच्च रक्तचाप	1. आयुष पीजे-7 - डेंगू
2. आयुष – 56	2. आयुष- एसडीएम टैबलेट	2. आयुष – ए – दमा	2. आयुष क्यूओएल-2सी – कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता
3. आयुष – एचआर	3. आयुष – पीके अवलेह	3. आयुष – एसआर – व्यावसायिक तनाव	3. आयुष रसायन ए एंड बी – वृद्धावस्था स्वास्थ्य
4. आयुष -64		4. आयुष – पीटीके – एटीटी प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी	4. आयुष – पीई आई ड्रॉप – कंजेक्टिवाइटिस
5. आयुष –एसजी	4. आयुष – एसएस ग्रैन्यूल्स	5. आयुष – जीएमएच – नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी यकृत रोग	5. सी-1 तेल - घाव भरने के लिए
6. आयुष घुट्टी	5. आयुष -एलएनडी	6. आयुष – एचआर – प्री हाइपरटेंशन	6. आयुष – डी – प्री डायबिटीज और डायबिटीज
7. आयुष केवीएम सिरप	6. आयुष -64	7. आयुष बीआर लेहम- मध्यम कुपोषण में	7. आयुष – एसएल – फाइलेरिएसिस
8. आयुष – एम3	7. आयुष एसजी-5	8. आयुष आरपी- सिकल सेल एनीमिया	8. आयुष – 64 (पुनर्प्रयोजन) – (i) मलेरिया (ii)हल्के से मध्यम कोविड – 19
		9. कारक्टॉल एस – सीरोलॉजिकल रूप से रिलैप्स डिम्बग्रंथि का कैंसर	
9. आयुष –एसएस गैन्यूल्स	8. आयुष -वी13		9. आयुष – एजीटी – रूसी
10. आयुष -एससी3	9. आयुष वी-24		
		10. आयुष मानस- संज्ञानात्मक कमी	10. आयुष – एजीटी – घाव भरना
11. आयुष –एसआर	10. पद्मकांत योग		
12. आयुष –पीटीके	11. आयुष - पीटीके		11. आयुष सीसीटी – ऑपरेशन के बाद हृदय की देखभाल
13. आयुष –जीएमएच			
14. आयुष –पीवीके जैल			12. आयुष एसएस ग्रैन्यूल्स- लैकेटेशन अपर्याप्तता।
15. आयुष – एनटी कैप्सूल			13. आयुष एलएनडी – असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव (एयूबी)
16. आयुष – एलके जैल			
17. आयुष – एसएल			
18. आयुष –डी			14. आयुष पीवीके जैल – श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया)
15. आयुष – कारक्टॉल्स			
16. आयुष –सीसीटी			
17. आयुष -82			15. आयुष एनटी कैप्सूल- सोरायसिस
18. आयुष-एजीटी			